अतियंत गोपनीय -केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतू

माध्यमिक विधालय परीक्षा, मार्च-2020

अंक-योजना SANSKRIT

SUBJECT कोड संख्या : 122 PAPER कोड : 52 SERIES: JBB/2

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्नपत्र में दिए गए दक्षता आधारित(competency based) दो प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक-योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

कृपया ध्यान दीजिए ः

1। कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अंक योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अंक दिए जाएँ।

2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अंक दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंक काटे जाएँ संपूर्ण नहीं।

3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूरे अंक।

4। जहाँ भी विकल्प दिए गए हैं उन प्रश्नों मे से केवल सही उत्तर वाले विकल्प ही ले लिए जाएँ आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंक अवश्य दिए जाएँ।

5। खण्ड 'ख' में (रचनात्मकं कार्यम्) के अन्तर्गत वाक्य निर्माण संबंधी प्रश्न में वाक्य संरचना प्रमुख है न कि वाक्य का सौंदर्य तत्त्व। आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अंक दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन ः

खण्डः 'क' (Section-A)(अपठितांश अवबोधनम्) 10 अङ्काः

1। (अ) एकपदेन उत्तरत। (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times2=2$

(i) व्यायामस्य (ii) अतृप्त्या (iii) मानवः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत । (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 2 अंक। $2\times2=4$

(i) कार्यवैफल्येन नैराश्यं भवति।

(ii) ..... सर्वविधानां समस्यानाम् .....।

(iii) .....शारीरिकश्रमः.....।

(स) जीवनशैली/ शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम् /श्रमः स्वास्थ्यप्रदः अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक । 1

(द) यथानिर्देशम् उत्तरत। (केवल तीन प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times3=3$

(i) (ख) मानवः (ii) (क) पीडितः (iii) (ग) शरीरस्य (iv) (ख) आदयम्

खण्डः 'ख' (Section-B)(रचनात्मकं कार्यम्) 15 अङ्काः

2। पत्रलेखनम् - 10 रिक्तस्थान ।प्रत्येकभाग के लिए ½ अंक। $\frac{1}{2}\times10=5$

(i) प्रयागराजतः
(ii) पितृमहोदयाः
(iii) प्रथमम्
(iv) धावनप्रतियोगितायाम्
(V) करिष्यामि
(vi) आयोजयिष्यते
(vii) निमन्त्रणपत्रम्
(viii) भवन्तम्
(ix) उत्साहवर्धनम्
(x) पीयूषः

3। चित्र लेखनम् $1\times5=5$

बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित हैं। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ ।मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुने अथवा नहीं-आवश्यक नहीं। वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य-निर्माण कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही 5 अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए 1 अंक हैं।

अथवा

पुस्तकमेलकम् विषय पर पाँच वाक्य लिखने हैं। यह विकल्प सबके लिए दिया गया है। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही **5** अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए **1** अंक हैं।

4। किन्हीं **पाँच** वाक्यों का अनुवाद करना है। बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित हैं। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। अन्य विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ न कि पूरे। **1×5=5**

(i) लता नृत्यति /नृत्यं करोति।
(ii) यूयं कन्दुकेन खेलथ/क्रीडथ/क्रीडत।
(iii) श्वः मोहनः आपणं गमिष्यति।
(iv) ह्यः रमेशः कुत्र आसीत्?
(v) रमा सीतया सह पठतु/पठेत्।
(vi) वृक्षात् पत्राणि पतन्ति।
(vii)किं अहं पठानि/पठेयम् ?

खण्डः 'ग' (Section-C)(अनुप्रयुक्त व्याकरणम्) 25 अंकाः

5। **सन्धि/संधिच्छेद** -आंशिक दृष्टि से सही उत्तर के लिए आंशिक अंक अवश्य दिए जाएँ। प्रत्येक के लिए **1** अंक है। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) हयाश्च (ii) श्रेष्ठं कर्म/श्रेष्ठङ्कर्म (iii) सन्मार्गे/सद्मार्गे (iv) एक + छत्रम् (v) एतयोर्जननी

6। **समस्तपदविग्रह** -इस प्रश्न का मूल उद्देश्य 'समस्तपद' अथवा 'विग्रह' की समझ है। प्रत्येक के लिए **1** अंक है। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) (ख) व्याघ्रं मारयति इति सा (ii) (ग) यथेष्टम् (iii) (क) लवम् च कुशम् च
(iv) (ख) गले बद्धः श्रृगालः यस्य सः (v) (क) देहविनाशाय

7। **प्रकृति-प्रत्यय**-बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) (ग) प्रिया (ii) (क) सत्यप्रियता (iii) (ग) बुद्धिमत्+ङीप् (iv) (ख) इतिहास+ठक् (v) (क) वसु+मतुप्

8। **वाच्य परिवर्तन**-बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए **1** अंक। (केवल तीन प्रश्न)। **1×3=3**

(i) मया (ii) पठामि (iii) भवत्या

अथवा (OR)

यह विकल्प सबके लिए दिया गया है। प्रत्येक भाग के लिए **1** अंक। (केवल तीन प्रश्न)। **1×3=3**

(क) रीनया गीतं गीयते
(ख) श्यामेन मोहनः पृच्छ्यते।
(ग) भिक्षुकः धनं याचते।
(घ) मया जलं पीयते।
(ङ) सः मृगं हन्ति।

9 । समय-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं । अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ । प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक । (केवल चार प्रश्न)
(क) सार्ध-अष्ट (वादने) (ख) सपाद-षट्/षड् (वादने) (ग) पञ्च (वादने) (घ) सार्ध-सप्त (वादने) (ङ) पादोन-दश (वादने) $1\times4=4$

10 । अव्यय-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं । कुछ प्रश्नों के उत्तर विकल्पात्मक हो सकते हैं अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ । प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक । (केवल छः प्रश्न) $\frac{1}{2}\times6=3$

(क) श्वः	(ख) च	(ग) ह्यः	(घ) सह
(ङ) कुतः	(च) अपि	(छ) यत्र-तत्र	(ज) इदानीम्

11 । अशुद्धि शोधन-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं । प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक । (केवल तीन प्रश्न) $1\times3=3$
(क) द्रक्ष्यसि (ख) मित्रम् (ग) गायन्ति (घ) कुछ भी उत्तर लिखने पर अंक दिए जाएँ ।

खण्डः 'घ भाग ' (Section-D)(पठितांश-अवबोधनम्) 30 अङ्काः

12 । इस प्रश्न का मूल उद्देश्य **अवबोधन** परीक्षण है । बच्चे **पर्यायवाची** शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं । पूर्ण अंक दिए जाएँ । आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ ।

गद्यांशः (अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न) । प्रत्येक के लिए ½ अंक । $\frac{1}{2}\times2=1$
(i) परिश्रम्य (ii) अध्ययने (iii) पुत्रम्
(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न) । एक प्रश्न के लिए 1 अंक । 1
(i) .....अर्थकार्श्येन पीडितः ..... ।
(ii) ... निशान्धकारे प्रसृते विजने प्रदेशे पदयात्रा न शुभावहा..... ।
(स) (स) यथानिर्देशम् उत्तरत - (केवल तीन प्रश्न) । प्रत्येक के लिए 1 अंक । $1\times3=3$
(i) (क) वित्तम् (ii) (ख) पिता (iii) (क) करुणापरः (iv) (ग) प्रायच्छत्

13 । पद्यांशं (अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न) । प्रत्येक के लिए ½ अंक । $\frac{1}{2}\times2=1$
(i) मनः (ii) निमित्तम् (iii) निमित्तस्य/तस्य
(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न) । एक प्रश्न के लिए 1 अंक । 1
(i) ..... निमितस्य/तस्य अपगमे ..... ।
(ii) ..... अकारणद्वेषि मनस्तु..... ।
(स) (स) यथानिर्देशम् उत्तरत - (केवल तीन प्रश्न) । प्रत्येक के लिए 1 अंक । $1\times3=3$
(i) (क) प्रकुप्यति (ii) (ख) मनः (iii) (ख) जनः (iv) (क) ध्रुवम्

14 । नाट्यांशं (अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न) । प्रत्येक के लिए ½ अंक । $\frac{1}{2}\times2=1$
(i) रामः (ii) वाल्मीकिः (iii) समुदाचारः
(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न) । एक प्रश्न के लिए 1 अंक । 1
(i) ..... अहमपि कुश इत्यात्मानं श्रावयामि ..... ।
(ii) ..... समरूपः सन्निवेशः ..... ।
(स) यथानिर्देशम् उत्तरत - (केवल तीन प्रश्न) । प्रत्येक के लिए 1 अंक । $1\times3=3$
(i) (ख) अहं/ (क) लवः (ii) (ग) समुदाचारः (iii) (ख) समरूपः (iv) (क) सोदर्यौ

15 **प्रश्ननिर्माण-संबंधी** इस प्रश्न में बच्चे केवल प्रश्नवाचक शब्द लिख सकते हैं। व्याकरण वर्तनी आदि की त्रुटियों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। इस प्रश्न में अवबोधन प्रमुख है तथा विकल्पात्मक उत्तर हो सकते हैं। केवल चार प्रश्न प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times4=4$

(i) कः (ii) कैः/कीदृशैः (iii) कासाम् (iv) का (v) के

16 **अन्वय-संबंधी** इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। $\frac{1}{2}\times8=4$

I (i)पशुना (ii) नागाः (iii) पण्डितः (iv) बुद्धयः

II (i) नराणां (ii) प्रथमः (iii) काष्ठगतः (iv) क्रोधः

अथवा (OR)

भावार्थ-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times4=4$

(i) सभायाम् (ii) निर्भीकः (iii) विरोधिभिः (iv) तिरस्कर्तुम्

17 **कथाक्रम-संबंधी** इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर संख्या लिख सकते हैं। इस प्रश्न में अवबोधन प्रमुख है तथा विकल्पात्मक उत्तर हो सकते हैं ।

$\frac{1}{2}\times8=4$

1। विचित्रा दैवगतिः।
2। तस्यामेव रात्रौ .....।
3। तत्र निहितामेकां .....।
4। चौरस्य पादध्वनिना .....।
5। चौरः एव उच्चैः .....।
6। तस्य तारस्वरेण .....।
7। यद्यपि ग्रामस्य आरक्षी .....।
8। तत्क्षणमेव रक्षापुरुषः .....।

18 **शब्दार्थ -संबंधी** इस प्रश्न में बच्चे केवल क्रमसंख्या लिख सकते हैं अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। केवल तीन प्रश्न। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times3=3$

(i) वह्निः - अग्निः (ii) वृक्षः - तरुः (ii) गजः - कुञ्जरः (ii) जवेन - वेगेन

अथवा (OR)

केवल तीन प्रश्न। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times3=3$

(i) (ग) जम्बुकः (ii) (ख) पुत्रस्य (iii) (क) दुर्बलः (iv) (क) निकटम्

****